भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2204

उत्तर देने की तारीख-05/08/2024

कर्नाटक के हसन में आईआईटी की स्थापना में विलंब

†2204. श्री श्रेयस एम.पटेल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कर्नाटक के हसन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना में हो रही देरी की जानकारी है, जबकि राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 1,100 एकड़ भूमि आरक्षित कर रखी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विलंब के क्या कारण हैं;

(ग) इस विलंब के कारण कितने छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हो रहे हैं;

(घ) उक्त आईआईटी की स्थापना में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं तथा परियोजना के पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ङ) सरकार द्वारा परियोजना को बिना किसी विलम्ब के पूरा करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है;

(च) क्या सरकार के पास आगे देरी को रोकने के लिए मौजूदा संस्थान में अस्थायी संचालन शुरू करने का कोई प्रस्ताव है; और

(छ) विलंब के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (छ): वर्ष 2015-16 के केन्द्रीय बजट में, अन्य बातों के साथ-साथ, कर्नाटक राज्य में एक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित करने की घोषणा की गई थी। तदनुसार, स्थल चयन समिति (एसएससी) की सिफारिशों पर, सरकार ने राज्य के धारवाड़ जिले में आईआईटी स्थापित करने का निर्णय लिया है। आईआईटी धारवाड़ ने वर्ष 2016-17 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू कर दिया है। संस्थान की आधारशिला फरवरी, 2019 में रखी गई थी और स्थायी परिसर मार्च, 2023 में राष्ट्र को समर्पित किया गया था। संस्थान में 1,050 से अधिक छात्र और 90 से अधिक नियमित संकाय सदस्य हैं। विगत पांच वर्षों के दौरान आईआईटी धारवाड़ को 1,230 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की गई है।

*****